एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 5X2= 10 अंक

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–I

नोटः निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1 निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) सतगुर की महिमा अनँत, अनैत किया उपगार ।
लोचन अनँत उघाडिया, अनँत दिखावणहार ॥

(ख) रामनाम कै पटतरे, देबे कौं कुछ नाँहिं।
क्या ले गुर संतोषिए, हौंस रही मन माँहि ॥

प्रश्न 2. सूरदास के काव्य की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. आदिकाल (वीरगाथाकाल) को दिये गये नामों के सम्बंध में विद्वानों के तर्कों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 4. भक्तिकाल के उदय के संबंध में विद्वानों के विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 5. कवि अमीर खुसरो के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

प्रश्न 6. संत दादूदयाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 5X2= 10 अंक

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिन्दी कहानी

नोट – निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

एक घंटा और गुजर गया। रात ने शीत को हवा से धधकाना शुरू कर दिया। हल्कू उठ बैठा और दोनों घुटनों को छाती से मिलाकर सिर को उसमें छिपा लिया, फिर भी ठंड कम न हुई। ऐसा जान पड़ता था, सारा रक्त जम गया है, धमनियों में रक्त की जगह हिम बह रही है। उसने झुककर आकाश की और देखा, अभी कितनी रात बाकी है। सप्त्र्षि अभी आकाश में आधे भी नहीं चढे। ऊपर आ जाएगें तब कहीं सवेरा होगा। अभी पहर से ऊपर रात है।

प्रश्न–2 सिद्ध कीजिए कि 'खेल' कहानी बाल–मनोविज्ञान पर आधारित है।

प्रश्न–3 आँचलिक कहानी के रुप में 'लाल पान की बेगम' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न–4 'जिनावर' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–5 हिन्दी कहानी आन्दोलन पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न–6 प्रेमचन्द युग का विस्तार से वर्णन कीजिए।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर कॉलेज, जयपुर

असाइनमेंट कार्य , अक्टूबर 2024

बी. ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र –प्रयोजनपरक हिन्दी – I

नोट –निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1 प्रयोजनपरक हिन्दी की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2 प्रयोजनपरक हिन्दी का अर्थ बताते हुए इसके विभिन्न क्षेत्रों पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए ।

प्रश्न–3 संचार को स्पष्ट करते हुए विभिन्न संचार माध्यमों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न–4 विज्ञापन से आप क्या समझते है। वर्तमान युग में विज्ञापन के समाज पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न–5 वर्तमान युग में समाचार – पत्र की भूमिका और महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न–6 'इंटरनेट वर्तमान युग की आवश्यकता है' कथन के आलोक में इंटरनेट के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

बी.ए. तृतीय - सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र हिन्दी निबंध

नोटः – निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– पूर्णांक–2x5=10

प्रश्न 1. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

प्रेम और श्रद्धा में अन्तर यह है कि प्रेम स्वाधीन कार्यों पर उतना निर्भर नहीं– कभी–कभी किसी का रूप मात्र, जिसमें उसका कुछ भी हाथ नहीं, उसके प्रति प्रेम होने का कारण होता है, पर श्रद्धा ऐसी नहीं है। किसी की सुन्दर आँख या नाक देखकर उसके प्रति श्रद्धा नहीं उत्पन्न होती, प्रीति उत्पन्न हो सकती है। प्रेम के लिए इतना ही बस है कि कोई मनुष्य हमें अच्छा लगे ; पर श्रद्धा के लिए आवश्यक यह है कि कोई मनुष्य किसी बात में बढ़ा हुआ होने के कारण हमारे सम्मान का पात्र हो। श्रद्धा का व्यापार–स्थल विस्तृत है, प्रेम का एकान्त । प्रेम में घनत्व अधिक है और श्रद्धा में विस्तार।

प्रश्न 02. 'आचरण की सभ्यता' के आधार पर सरदार पूर्णसिंह की भाषा शैली का विवेचन कीजिए।

प्रश्न–03. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध का सारांश अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए?

प्रश्न 04. 'वैष्णव की फिसलन' निबंध का सारांश अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए ?

प्रश्न–05 निबंध के अर्थ, स्वरुप एवं परिभाषा को विवेचित कीजिए ?

प्रश्न–06 निबंध के वर्गीकरण को विवेचित कीजिए ?

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

प्रथम प्रश्न–पत्र

बी. ए. पंचम सेमेस्टर

आधुनिक हिन्दी काव्य

नोटः–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

प्रश्न 1. कौन लेगा भार यह?

कौन विचलेगा नहीं ? दुर्बलता इस अस्थि मांस की
ठोंककर लोहे से, परखकर वज्र से
प्रलयोल्का–खण्ड के निकष पर कसकर,
चूर्ण अस्थिपुंज–सा हँसेगा अट्टहास कौन ?
साधन, पिशाचों की बिखर चूर–चूर होके
धूलि –सी उड़ेगी किस दृप्त फूत्कार से ?
कौन लेगा भार यह?
जीवित है कौन?
सांस चलती है किसकी
कहता हूँ कौन ऊंची छाती कर, मैं हूँ – मैं हूँ– मेवाड़ मैं,

प्रश्न 2 'कुरुक्षेत्र' के छठे सर्ग का सन्देश स्पष्ट करते हुए दिनकर के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए –

प्रश्न–3 आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि को विस्तार से समझाइये –

प्रश्न–4 छायावाद की परिभाषा बताते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए–

प्रश्न–5 राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए–

प्रश्न–6 कवि नागार्जुन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए –

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

द्वितीय प्रश्न–पत्र

बी. ए. पंचम सेमेस्टर

हिन्दी भाषा व्याकरण और साहित्य सिद्धान्त–I

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – पूर्णांक–2x15=30 अंक

1. हिन्दी भाषा के उदभव एवं विकास को समझाइये ।
2. राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा से अभिप्राय एवं प्रमुख अन्तर बताइये ।
3. हिन्दी की किन्हीं दो बोलियों का वर्णन कीजिए ।
4. मानक हिन्दी का अर्थ एवं प्रमुख लक्षण बताइये ।
5. देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास समझाइये।
6. देवनागरी लिपि की विशेषताएं बताइये ।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र– हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– पूर्णांक –2x15=30

प्रश्न–1. आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ?

प्रश्न–2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियों, काल विभाजन एवं नामकरण को समझाइए?

प्रश्न–3. सन्त काव्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ?

प्रश्न–4. हिन्दी सूफी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि को समझाते हुए, हिन्दी सूफी प्रेमाख्यानों की विशेषताओं को विवेचित कीजिए ?

प्रश्न–5. हिन्दी कृष्ण–काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न–6. हिन्दी राम–काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ?

एस .एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्राचीन काव्य

नोट – निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2x15=30 अंक

प्रश्न 1 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

देषि सषी हिव लागउ छइ पोस।

धण मरतीय को मत दीयउ दोस।

दुषि दाधी पंजर हुई।

धान न भावए तज्या सिरि न्हाण।

छॉहडी धूप न आलगइ।

देषता मंदिर हुयउ मसांण।।

प्रश्न 2 सिद्व कीजिए की 'बीसलदेव रासो' एक विरह काव्य है ?

प्रश्न 3 'विद्यापति पदावली' की भाषागत विशेषताएं बताइए ।

प्रश्न 4 विद्यापति भक्ति और श्रृंगार के कवि है। स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5 'ढोला मारु रा दूहा' काव्य में वर्णित वियोग व्यथा को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6 'ढोला मारु रा दूहा' में वर्णित प्रकृति और श्रृंगार का वर्णन कीजिए ।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर हिन्दी

तृतीय प्रश्न–पत्र – काव्यशास्त्र–I (भारतीय) 2X15=30 अंक

नोटः निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1. प्रबंधकाव्य की परिभाषा देते हुए, उसके लक्षणों पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. खण्डकाव्य की परिभाषा देते हुए, उसके लक्षणों (विशेषताओं) पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. उपन्यास की परिभाषा देते हुए, उपन्यास के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4. आत्मकथा किसे कहते है? हिन्दी आत्मकथा के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. 'रीति' सम्प्रदाय की सविस्तार विवेचना कीजिए।

प्रश्न 6. 'वक्रोक्ति' सम्प्रदाय पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी
चतुर्थ प्रश्न–पत्र – उपन्यास एवं निबंध

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2x15=30 अंक

प्रश्न 1 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

होरी की छाती गज –भर की हो गयी। अस्सी रुपए में गाय महँगी न थी ।
ऐसा अच्छा डील– डोल, दोनों जून में छः सात सेर दूध, सीधी ऐसी कि बच्चा भी दुह ले। इसका तो, एक–एक बाछा सौ–सौ का होगा। द्वार पर बंधेगी तो द्वार की शोभा बड जायेगी। उसे अभी कोई चार सौ रुपए देने थे, लेकिन उधार को वह एक तरह से मुफ्त समझता था।

प्रश्न 2 'गोदान कृषक जीवन की करुण कथा है' कथन को उपन्यास के सन्दर्भ में विश्लेषित कीजिए ।

प्रश्न 3 'समय सरगम' उपन्यास की कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4 'समय सरगम' उपन्यास के आधार पर आरण्या का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न 5 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 6 'देवदारु' हजारी प्रसाद द्विवेद्वी जी का श्रेष्ठ ललित है निबंध स्पष्ट कीजिए ।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
हिंदी
प्रथम प्रश्न पत्र – हिंदी नाटक

नोट – निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2x15=30 अंक

प्रश्न 1 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

दुहाई परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ। अरे यहाँ बड़ा ही अन्धेर है। अरे गुरुजी महाराज का कहा मैंने न माना उसका फल मुझे भोगना पड़ा । गुरुजी कहाँ हो ? आओ, मेरे प्राण बचाओ अरे मैं बेअपराध मारा जाता हूँ। गुरुजी गुरुजी.....

प्रश्न 2 'अन्धेर नगरी' नाटक वर्तमान समाज व्यवस्था पर करारा व्यंग्य है कथन के आधार पर नाटक ही समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 3 'स्कन्दगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4 'स्कन्दगुप्त' नाटक के आधार पर स्कन्दगुप्त का चरित्र– चित्रण कीजिए।

प्रश्न 5 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 6 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र– चित्रण कीजिए।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न–पत्र–निर्गुण काव्य

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2X15–30 अंक

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

पांडे कौन कुमति तोहि लागि ।

तू राम न जपहि अभागी।।

वेद–पुरान पढ़त अस पांडे, खर चंदन जैसे भारा ।

राम नाम तत समझत नाँहि, अंति पड़ मुखि छारा ।।

वेद पढ्या का यहु, फल पांडे, सब घटि देखै रामाँ ।

जनम–मरन थे तौ तूं छूटे सुफल हूँहि सब काँमाँ

जीव बधत अरु धरम कहत हौ, अधरम कहाँ है भाई।

आपन तो मुनिजन है बैठे, कासनी कहौ कसाई ।।

नारद कहै व्यास यौ भाषे, सुखदेव पूछौ जाई।

कहै कबीर कुमति तब छूटै, जे रहौ राम ल्यौ लाई।।

2. कबीरदास के पदों में व्यक्त रहस्य भावना पर प्रकाश डालिए –

3. जायसी के नागमती वियोग खण्ड का सार लिखिए।

4. प्रेमाश्रयी शाखा की प्रमुख प्रवृतियों का विवेचन कीजिए ।

5. दादूदयाल के जीवन का परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक उपलब्धि के विषय में बताइये ।

6. दादूदयाल के पदों में व्यक्त ईश्वरीय स्वरुप का वर्णन कीजिए।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी

तृतीय प्रश्न–पत्र –भाषा विज्ञान

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2X15–30 अंक

प्रश्न–1 भाषा का अर्थ बताते हुए, भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–२ 'रूप विज्ञान' से आप क्या समझते हो ? विस्तार से स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न–3 अर्थ–परिवर्तन के कारण और दिशाओं को विस्तार से स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न–4 ध्वनि–परिवर्तन के कारण और दिशाओं को विस्तार से स्पष्ट कीजिए। ।

प्रश्न–5 'पालि' भाषा पर एक सारगर्भित लेख लिखिए ।

प्रश्न–6 हिन्दी भाषा के विकास क्रम पर विस्तार से लेख लिखिए ।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र– रीतिकालीन काव्य

नोटः– निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– पूर्णांक–2x15=30

प्रश्न–1 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

प्रगट भए द्विजराज–कुल, सुबस बसे ब्रज आइ,
मेरे हरौ कलेस सब, केसब केसवराइ।
केसरि कै सरि क्यौं सकै, चंपकु कितकु अनूपु
गात–रूप लखि जातु, दुरि जातरूप कौ रूपु।
मकराकृति गोपाल कैं सोहत कुंडल कान,
धर्‌यौ मनौ हिय–धर समरु, ड्‌यौदी लसत निसान ।

प्रश्न–2. बिहारी की सौन्दर्य भावना का विवेचन कीजिए?

प्रश्न–3. भूषण की राष्ट्रीय भावना का विवेचन कीजिए?

प्रश्न–4. भूषण की काव्य –कला पर प्रकाश डालिए?

प्रश्न–5. 'घनानंद रीतिकाल के स्वच्छन्दतावादी कवि है' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–6. 'घनानंद की विरहानुभूति' की विवेचना को उदाहरण सहित समझाइए?

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी

पंचम प्रश्न पत्र–विशिष्ट अध्ययन

(क) कवि, साहित्यकार (1) तुलसीदास

नोटः निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – पूर्णांक 2X15–30 अंक

प्रश्न 1 निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

छंद– जनु धेनु बालक बच्छ तजि गृहँ चरन बस परबस गईं।
दिन अंत पुर रूख स्त्रवत थन हुँकार करि धावत भईं ॥
अति प्रेम प्रभु सब मातु भेटीं बचन मृदु बहुबिधि कहे।
गइ विषम बिपति बियोगभव तिन्ह हरष सुख अगनित लहे ॥

प्रश्न 2. 'रामचरितमानस' के 'उत्तरकाण्ड' की कथा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 3. तुलसीकृत 'विनयपत्रिका' की भक्ति–भावना पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न 4. तुलसीदास कृत 'विनयपत्रिका' के काव्य सौन्दर्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. कवि तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 6. "रामचरितमानस समन्वय की विराट चेष्टा का काव्य है।" इस कथन के आधार पर तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' की विवेचना कीजिए।

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर 2024

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी

विशिष्ट साहित्यकार – (2) प्रेमचंद 2X15=30 अंक

पंचम प्रश्न–पत्र

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न–1 निम्नलिखित गंद्याश की सप्रसँग व्याख्या किजिए–

शहर अमीरों के रहने और क्रय–विक्रय का स्थान है। उसके बाहर की भूमि उनके मनोरंजन और विनोद की जगह है। उसके मध्य भाग में उनके लड़कों की पाठशालाएँ और उनके मुकदमेबाजी के अखाडे होते हैं, जहाँ न्याय के बहाने गरीबों का गला घोटा जाता है। शहर के आस–पास गरीबों की बस्तियाँ होती है। बनारस में पॉडेपुर ऐसी ही बस्ती है। वहॉ न शहरी दीपकों की ज्योति पहुंचती है, न शहरी छिडकाव के छीटें, न शहरी जलस्त्रातों का प्रवाह । सड़क के किनारे छोटे–छोटे बनियों और हलवाइयों की दुकानें है और उनके पीछे कई इक्केवाले, गाडीवान, ग्वाले और मजदूर रहते है।

प्रश्न–2 रंगभूमि उपन्यास के उद्धेश्य पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3 उपन्यास के तत्वों के आधार पर रंगभूमि उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–4 रंगभूमि उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालते हुए उपन्यास के मुख्य पात्र सूरदास की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–5 पूंजीवाद के साथ जनसंघर्ष व बदलाव की महान गाथा है, प्रेमचंद जी का 'रंगभूमि' उपन्यास स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–6 'रंगभूमि' उपन्यास की मूल संवेदना विस्तार से अपने शब्दों में लिखिए।